CUTS International
Value For People

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY
"A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders.

जे. 32(23)/8779

2017.04.14

श्री गोपाल सिंह
लोक सहभागी संस्थान
कटारिया कॉम्पलेक्स, बस स्टैण्ड
ग्राम– खोरा लाडखानी, वाया–घटवाडी
तह.– विराटनगर, जिला– जयपुर पिन– 302 019

प्रिय साथी,

'प्रो–ओर्गेनिक' परियोजना– द्वितीय चरण (2017–20)– पार्टनर आमुखीकरण

'कट्स' की शुभकामनाएं!

'कट्स' द्वारा नवम्बर, 2013 को 'प्रो–ओर्गेनिक' परियोजना का शुभारम्भ किया गया था, जिसमें आप एक सक्रिय जिला भागीदार के रूप में जुड़े थे। इस चरण की सफलतापूर्वक समाप्ति के पदश्चात् मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए इसे वर्ष 2017 से 2021 तक के लिए परियोजना को विस्तार मिला है।

चूंकि आपको इस परियोजना में जयपुर जिले के पावटा, कोटपूतली एवं विराटनगर ब्लॉकों में जिला सहयोगी के रूप में चुना गया है, इसलिए आपके पुनः आमुखीकरण एवं ग्राम पंचायत चयन एवं इसमें होने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु **01 मई, 2017** को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। आप स्वयं इस अवसर पर 01 मई, 2017 को आए। कार्यशाला प्रातः 9.30 बजे 'कट्स' कार्यालय (डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर) में होगी।

कृपया आप उक्त तीनों ब्लॉकों में आपके द्वारा चयनित ग्राम पंचायतों की सूची भी अपने साथ लावें।

आपको आने–जाने का साधारण श्रेणी का रेल/बस किराया टिकट प्रस्तुत करने पर संस्था द्वारा दिया जाएगा। आप 01 मई को प्रातः समय पूर्व पहुंचने का श्रम करें।

भवदीय,

Rajdeep

राजदीप पारीक
परियोजना अधिकारी
मो.: 94616 70755
ईमेलः rdp@cuts.org

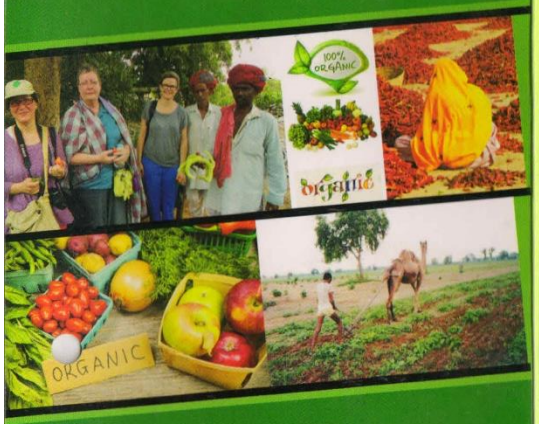

Pilot Project to Promote Organic Consumption in the State of Rajasthan

(ProOrganic)

30 CUTS International
1983 2012

Supported by:

Swedish Society for Nature Conservation

Background

India is mainly an agricultural country, where around 58 percent of nation's population is involved in agriculture for livelihood. There is huge untapped potential of organic farming in India. Organic farming emerged as a potential alternative for meeting food demand, maintaining soil fertility and increasing soil carbon pool.

The promotion of organic consumption is directly related to consumer's safety in many ways. Use of pesticides and chemicals in agriculture production is one of the major causes of environmental degradation along with unfit for human health. The chemical in food products adversely affects reproduction capabilities in women and girls.

Moreover, Indian societies being largely patriarchal women need are not in first priority, so they are more prone to chemical contaminations in food. So the adoption of organic consumption will benefit women and girls the most.

About ProOrganic Project

CUTS with financial assistance from Swedish Society for Nature Conservation (SSNC), Sweden is implementing this two-year project. The objective of the project is to promote organic consumption in the State of Rajasthan (India) covering six major agriculture potential districts by awareness generation, sensitisation, capacity-building and advocacy activities.

Increased awareness is expected to result in increased consumer demand which will further push demand for availability and affordability of organic products contributing towards decreasing health hazards of consumers.

The project is expected to result in better informed consumers and farmers about organic consumption and farming; better policies and enforcement thereof by sensitised policymakers in the State. This will boost organic farming and consumption in the State; and in the long run will provide sustainable environment and lifestyle.

Project Objectives

- To generate awareness among consumers about organic products
- To build capacity of farmers to adopt organic farming
- To promote and increase consumer's demand for organic products
- To encourage consumers to shift towards organic products and sustainable consumption
- To sensitise and advocate with concerned stakeholders, including government agencies to promote organic products in the State of Rajasthan

Project Activities

The proposed activities of the project will be as under:

1. Project lunch & Partner Orientation Meeting
2. Action Research
3. District Level Orientation Programme for farmer groups
4. Exposure Visits for farmer groups
5. Awareness Campaigns in selected *gram panchayats*
6. District Level Consultations
7. End Line Survey to gauge the project effectiveness
8. Annual Stakeholder Consultation & Feedback Meeting
9. State Level Advocacy Meeting
10. Publication of IEC materials

Project Duration: The duration of the Project will be of two years from November 01, 2013-October 31, 2015

Project Districts

Two *gram panchayats* from each block of six districts Jaipur, Dausa, Udaipur, Chittorgarh, Pratapgarh, Kota will be covered under this project. (102 *gram panchayats* of 51 Blocks in 6 selected districts)

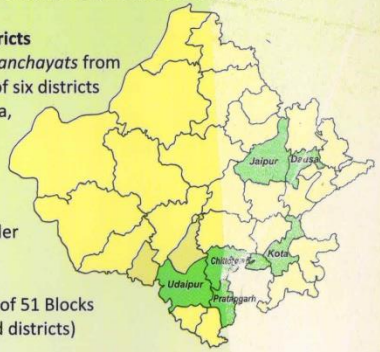

CUTS CART
CUTS Centre for Consumer Action, Research & Training
D-217, Bhaskar Marg, Bani Park, Jaipur 302016, India
Phone: 91.141. 2282 062, 2282 823/2282 482, Fax: 91.141 4015 [illegible]
E-mail: cart@cuts.org; Web: www.cuts-international.org/CART

Local Newspaper publication in August 2017

कार्यशाला आयोजित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पावटा. दांतिल ग्राम पंचायत के अटल सेवा केन्द्र पर शनिवार को लोक सहभागी संस्थान के तत्वाधान में राजस्थान में जैविक उत्पाद व उपभोग व जीवन शैली की संस्कृति का विकास विषय पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गोपाल सिंह, सरपंच रेणुका अग्रवाल व पूर्व कृषि अधिकारी हरिसिंह राव ने जैविक खेती अपनाने पर बल देते हुए कहा कि जैविक उत्पादनों से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस दौरान उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला के प्रारम्भ में संस्था सचिव रोहिताश कुमार मीणा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला में कई किसान उपस्थित रहे। (निसं)

किसान खेती में रासायनिक खाद व दवाइयों का उपयोग तुरंत बंद करें

दांतिल में किसानों को खेती के गुर सिखाने के लिए कार्यशाला

भास्कर न्यूज | पावटा

दांतिल ग्राम के अटल सेवा केन्द्र दांतिल में राजस्थान में जैविक उत्पादन व उपभोग द्धारा सतत उपभोग व जीवनशैली की संस्कृति का विकास विषय पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कटस इन्टरनेशनल जयपुर व लोक सहभागी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस दौरान बतौर अतिथि गोपाल सिंह ने कहा कि आज की कार्यशाला में विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में अधिक उत्पादन लेने के लिये किसान भाई रासायनिक खाद व दवाइयों का अंधाधुंध उपयोग कर रहे हैं और उससे पैदा होने वाली फ़सल में भी जहर की मात्रा इतनी ज्यादा है, जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारीया बढ़ रही हैं। पूर्व कृषि अधिकारी हरी सिंह राव ने जैविक खाद बनाकर उसको कैसे उपयोग में लिया जाऐ जिससे कि हमारे उत्पादन पर भी ज्यादा असर ना पडे उस पर विस्तार से बताया तथा कृषि पर्यवेक्षक दांतिल ने विभाग की ओर से जैविक खेती पर दिया। लोक

पावटा .कृषि जागरूकता शिविर में मौजूद लोग।

सहभागी संस्थान सचिव रोहिताश मीणा ने परियोजना के बारे मे विस्तार से बताया कि लोगो की जैविक खेती के प्रति रूझान बढाने के लिए हर पंचायत समिति स्तर पर दो दो ग्राम पंचायतों का चयन करके उनमें जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर लोगों की समझ को जैविक उत्पादन की ओर अग्रसर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान राधेश्याम मीणा, विकास कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

Organic farming training sessions

Video session related to vermicompost and bio fertilisers

Sale of organic grown products by members trained under this project